http://www.upboardonline.com

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 16

अनुक्रमांक ........................

नाम ........................

102 **302(ZM)**

**2020**

**सामान्य हिन्दी**

समय : तीन घण्टे 15 मिनट ] [ पूर्णांक : 100

**नोट :** प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

**निर्देश :** i) सम्पूर्ण प्रश्नपत्र **दो भागों – खण्ड 'क'** तथा **खण्ड 'ख'** में विभाजित है ।

ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

**( खण्ड-क )**

1. क) 'भारत की एकता' के लेखक हैं

i) हरिशंकर परसाई

ii) वासुदेवशरण अग्रवाल

iii) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी

iv) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी । 1



http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com



ख) 'मेरे पिताजी' संस्मरण के लेखक हैं

i) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'

ii) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी

iii) हरिशंकर परसाई

iv) डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम । 1

ग) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी द्वारा लिखित 'साहित्य सहचर' किस विधा की रचना है ?

i) निबन्ध ii) आलोचना

iii) उपन्यास iv) संस्मरण । 1

घ) 'जैसे उनके दिन फिरे' निम्न में से किसका कहानी-संग्रह है ?

i) फणीश्वरनाथ 'रेणु' का

ii) जैनेन्द्रकुमार का

iii) अमरकान्त का

iv) हरिशंकर परसाई का । 1

ङ) निम्न में से कौन प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी की रचना नहीं है ?

i) 'साहित्य और समाज'

ii) 'मेरे विचार'

iii) 'भारत की एकता'

iv) 'वैचारिकी, शोध और बोध' । 1



http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com



2\. क) निम्न में से कौन खड़ी बोली का प्रथम महाकाव्य है ?

i) 'साकेत'

ii) 'प्रियप्रवास'

iii) 'कामायनी'

iv) 'वैदेही वनवास' । 1

ख) निम्न में से कौन मैथिलीशरण गुप्त की रचना है ?

i) 'आँगन के पार द्वार'

ii) 'अनघ'

iii) 'युगवाणी'

iv) 'परशुराम की प्रतीक्षा' । 1

ग) 'कामायनी' महाकाव्य में सर्गों की संख्या है

i) नौ

ii) बारह

iii) पन्द्रह

iv) सत्रह । 1



http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com



घ) सुमित्रानन्दन पन्त को 'चिदम्बरा' कृति पर पुरस्कार मिला था

i) 'भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार'

ii) 'भारत-भारती पुरस्कार'

iii) 'साहित्य अकादमी पुरस्कार'

iv) 'स्वर्णमाल पुरस्कार' । 1

ङ) 'कितनी नावों में कितनी बार' काव्यसंग्रह के रचनाकार हैं

i) रामधारी सिंह 'दिनकर'

ii) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'

iii) महादेवी वर्मा

iv) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' । 1

3\. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $5 \times 2 = 10$

माता अपने सब पुत्रों को समान भाव से चाहती है । इसी प्रकार पृथ्वी पर बसनेवाले जन बराबर हैं । उनमें ऊँच और नीच का भाव नहीं है । जो मातृभूमि के उदय के साथ जुड़ा हुआ है वह समान अधिकार का भागी है । पृथिवी पर निवास करनेवाले जनों का विस्तार अनंत है – नगर और जनपद, पुर और गाँव, जंगल और पर्वत नाना प्रकार के जनों से भरे हुए हैं । ये जन



http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com



अनेक प्रकार की भाषाएँ बोलनेवाले और अनेक धर्मों के माननेवाले हैं, फिर भी ये मातृभूमि के पुत्र हैं और इस कारण उनका सौहार्द भाव अखण्ड है । सभ्यता और रहन-सहन की दृष्टि से जन एक-दूसरे से आगे-पीछे हो सकते हैं किन्तु इस कारण से मातृभूमि के साथ उनका जो सम्बन्ध है उसमें कोई भेदभाव उत्पन्न नहीं हो सकता । पृथिवी के विशाल प्रांगण में सब जातियों के लिए समान क्षेत्र है । समन्वय के मार्ग से भरपूर प्रगति और उन्नति करने का सबको एक जैसा अधिकार है । किसी जन को पीछे छोड़कर राष्ट्र आगे नहीं बढ़ सकता । अतएव राष्ट्र के प्रत्येक अंग की सुध हमें लेनी होगी ।

i) माता अपने सब पुत्रों को किस भाव से चाहती है ? http://www.upboardonline.com

ii) राष्ट्र के प्रत्येक अंग की सुध हमें क्यों लेनी होगी ?

iii) 'सौहार्द' और 'प्रांगण' शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

iv) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

v) पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए ।

**अथवा**



http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com



ईर्ष्या-द्वेष से प्रेरित निन्दा भी होती है । लेकिन इसमें वह मजा नहीं जो मिशनरी भाव से निन्दा करने में आता है । इस प्रकार का निन्दक बड़ा दु:खी होता है । ईर्ष्या-द्वेष से चौबीसों घंटे जलता रहता है और निन्दा का जल छिड़ककर कुछ शान्ति अनुभव करता है । ऐसा निन्दक बड़ा दयनीय होता है । अपनी अक्षमता से पीड़ित वह बेचारा दूसरे की सक्षमता के चाँद को देखकर सारी रात श्वान जैसा भौंकता है । ईर्ष्या-द्वेष से प्रेरित निन्दा करनेवालों को कोई दण्ड देने की जरूरत नहीं है । वह बेचारा स्वयं दण्डित होता है । आप चैन से सोइए और वह जलन के कारण सो नहीं पाता । उसे और क्या दण्ड चाहिए ? निरन्तर अच्छे काम करते जाने से उसका दण्ड भी सख्त होता जाता है । जैसे एक कवि ने एक अच्छी कविता लिखी, ईर्ष्याग्रस्त निन्दक को कष्ट होगा । अब अगर एक और अच्छी लिख दी तो उसका कष्ट दुगना हो जायेगा ।

i) मिशनरी भाव से निन्दा करने में क्या मिलता है ?

ii) ईर्ष्या-द्वेष से प्रेरित निन्दक किस कारण सो नहीं पाता ?



http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com



iii) 'अक्षमता' और 'निरन्तर' शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

iv) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

v) पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए ।

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5 × 2 = 10

"कहते आते थे यही अभी नरदेही,
'माता न कुमाता, पुत्र कुपुत्र भले ही ।'
अब कहें सभी यह हाय ! विरुद्ध विधाता,
'है पुत्र पुत्र ही, रहे कुमाता माता ।'
बस मैंने इसका बाह्य-मात्र ही देखा,
दृढ़ हृदय न देखा, मृदुल गात्र ही देखा,
परमार्थ न देखा, पूर्ण स्वार्थ ही साधा,
इस कारण ही तो हाय आज यह बाधा!
युग-युग तक चलती रहे कठोर कहानी —
'रघुकुल में भी थी एक अभागिन रानी ।'
निज जन्म जन्म में सुने जीव यह मेरा —
'धिक्कार ! उसे था महा स्वार्थ ने घेरा ।' —"

i) युग-युग तक कौन-सी कठोर कहानी चलती रहेगी ?



http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com



ii) रानी कैकेयी को जन्म-जन्मान्तर क्या सुनना पड़ेगा ?

iii) 'नरदेही' तथा 'गात्र' शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

iv) रेखांकित अंश का भावार्थ लिखिए ।

v) कविता का शीर्षक तथा कवि का नाम लिखिए ।

**अथवा**

वे रोगी होंगे प्रेम जिन्हें अनुभव-रस का कटु प्याला है —
वे मुर्दे होंगे प्रेम जिन्हें सम्मोहनकारी हाला है
मैंने विदग्ध हो जान लिया, अन्तिम रहस्य पहचान लिया —
मैंने आहुति बनकर देखा यह प्रेम यज्ञ की ज्वाला है!
मैं कहता हूँ मैं बढ़ता हूँ, मैं नभ की चोटी चढ़ता हूँ
कुचला जाकर भी धूली-सा आँधी-सा और उमड़ता हूँ
मेरा जीवन ललकार बने, असफलता ही असि-धार बने
इस निर्मम रण में पग-पग का रुकना ही मेरा वार बने!

i) कवि किसे रोगी मानता है ?

ii) प्रेम जिनके लिए 'सम्मोहनकारी हाला' है, कवि उन्हें क्या मानता है ?

iii) 'हाला' तथा 'असि-धार' शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

iv) रेखांकित अंश का भावार्थ लिखिए ।

v) कविता का शीर्षक तथा कवि का नाम लिखिए ।



http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com



5\. (क) निम्नलिखित में से किसी **एक** लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : ( अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द ) 3 + 2 = 5

i) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी

ii) डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम

iii) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' ।

(ख) निम्नलिखित में से किसी **एक** कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों पर प्रकाश डालिए : ( अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द ) 3 + 2 = 5

i) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

ii) जयशंकर प्रसाद

iii) महादेवी वर्मा ।

6\. 'पंचलाइट' **अथवा** 'लाटी' कहानी का सारांश लिखिए । ( अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द ) 5

**अथवा**

'बहादुर' **अथवा** 'ध्रुव यात्रा' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए ।



http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com



7\. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी **एक** खण्ड के **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए : ( अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द ) 5

i) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक गान्धी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

**अथवा**

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर 'साइमन कमीशन' के बहिष्कार की कथावस्तु लिखिए ।

ii) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर 'दु:शासन' का चरित्रांकन कीजिए ।

**अथवा**

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

iii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कृष्ण' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

**अथवा**

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के 'पंचम सर्ग' की कथावस्तु लिखिए ।

iv) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के नायक गाँधीजी का चरित्रांकन कीजिए ।

**अथवा**

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के 'सप्तम सर्ग' की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।



http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com



v) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'राज्यश्री' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

**अथवा**

'त्यागपथी' के पंचम सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

vi) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर 'श्रवणकुमार' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

**अथवा**

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के 'सन्देश' सर्ग की कथावस्तु लिखिए ।

**( खण्ड-ख )**

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2 + 5 = 7

संस्कृतस्य साहित्यं सरसं, व्याकरणञ्च सुनिश्चितम् । तस्य गद्ये पद्ये च लालित्यं, भावबोधसामर्थ्यम्, अद्वितीयं श्रुतिमाधुर्यञ्च वर्तते । किं बहुना चरित्रनिर्माणार्थं यादृशीं सत्प्रेरणा संस्कृतवाङ्मयं ददाति न तादृशीं किञ्चिदन्यत् । मूलभूतानां मानवीयगुणानां यादृशी विवेचना संस्कृतसाहित्ये वर्तते नान्यत्र तादृशी । दया, दानं, शौचम्, औदार्यम्, अनसूया, क्षमा, अन्ये चानेके गुणाः अस्य साहित्यस्य अनुशीलनेन सञ्जायन्ते ।

**अथवा**



http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com



महामनस्विनः मदनमोहनमालवीयस्य जन्म प्रयागे प्रतिष्ठितपरिवारेऽभवत् । अस्य पिता पण्डितव्रजनाथमालवीयः संस्कृतस्य विद्वान् आसीत् । अयं प्रयागे एव संस्कृतपाठशालायाम् राजकीय विद्यालये म्योरसेन्ट्रल महाविद्यालये च शिक्षां प्राप्य अत्रैव राजकीय विद्यालये अध्यापनम् आरब्धवान् । युवकः मालवीयः स्वकीयेन प्रभावपूर्णभाषणेन जनानां मनांसि अमोहयत् । अतः अस्य सुहृदः तं प्राड्विवाकपदवीं प्राप्य देशस्य श्रेष्ठतरां सेवां कर्तुं प्रेरितवन्तः । तदनुसारं अयं विधिपरीक्षामुत्तीर्य प्रयागस्थे उच्चन्यायालये प्राड्विवाककर्म कर्तुमारभत ।

(ख) दिये गये श्लोकों में से किसी **एक** का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2 + 5 = 7

निन्दन्तु नीतिनिपुणा यदि वा स्तुवन्तु<br>
लक्ष्मीः समाविशतु गच्छतु वा यथेष्टम् ।<br>
अद्यैव वा मरणमस्तु युगान्तरे वा<br>
न्याय्यात् पथः प्रविचलन्ति पदं न धीराः ।।

**अथवा**

अये लाजानुच्चैः पथि वचनमाकर्ण्य गृहिणी<br>
शिशोः कर्णौ यत्नात् सुपिहितवती दीनवदना ।।<br>
मयि क्षीणोपाये यदकृतं दृशावश्रुबहुले<br>
तदन्तः शल्यं मे त्वमसि पुनरुद्धर्तुमुचितः ।।



http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com



9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी **एक** का अर्थ लिखकर अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए : 1 + 1 = 2

(i) हाथ पीले करना ।

(ii) गागर में सागर भरना ।

(iii) आम के आम गुठलियों के दाम ।

(iv) अन्धे की लकड़ी ।

10. (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन कीजिए :

(i) 'साक्षरः' का सही सन्धि-विच्छेद है

(अ) सा + क्षरः

(ब) स + अक्षरः

(स) सा + आक्षरः

(द) स + आक्षरः । 1

(ii) 'रमेशः' का सही सन्धि-विच्छेद है

(अ) रमा + ईशः

(ब) रम + ईशः

(स) रमा + एषः

(द) रम + एषः । 1

(iii) 'अत्याचारः' का सही सन्धि-विच्छेद है

(अ) अति + अचारः

(ब) अत्य + आचारः

(स) अति + आचारः

(द) अत्या + आचारः । 1



http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com



(ख) निम्नलिखित शब्दों की 'विभक्ति' और 'वचन' के अनुसार सही का चयन कीजिए :

(i) 'जगति' शब्द में विभक्ति और वचन है

(अ) द्वितीया विभक्ति, बहुवचन

(ब) चतुर्थी विभक्ति, द्विवचन

(स) पञ्चमी विभक्ति, बहुवचन

(द) सप्तमी विभक्ति, एकवचन । 1

(ii) 'राज्ञाम्' शब्द में विभक्ति और वचन है

(अ) तृतीया विभक्ति, एकवचन

(ब) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन

(स) चतुर्थी विभक्ति, द्विवचन

(द) सप्तमी विभक्ति, एकवचन । 1

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए :

(i) पुरुष-परुष —

(अ) कठोर और आदमी

(ब) आदमी और कठोर

(स) आदमी और पत्थर

(द) आदमी और बादल । 1

(ii) जलद-जलधि —

(अ) बादल और पानी

(ब) समुद्र और जल

(स) बादल और वर्षा

(द) बादल और समुद्र । 1



http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com



(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी **एक** शब्द के दो अर्थ लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) विधि

(ii) मित्र

(iii) गुण ।

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक 'शब्द' का चयन करके लिखिए :

(i) किये गये उपकार को न माननेवाला —

(अ) कृतघ्न

(ब) कृतज्ञ

(स) अकृतघ्न

(द) अकर्त्ता । 1

(ii) जो सब कुछ जानता हो —

(अ) बहुज्ञ

(ब) ज्ञानी

(स) सर्वज्ञ

(द) अल्पज्ञ । 1

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) श्रीकृष्ण के अनेकों नाम हैं ।

(ii) आप प्रातःकाल के समय आइएगा ।

(iii) गौतम की पत्नी का नाम अहिल्या था ।

(iv) तुलसीदास पक्के ईश्वर के भक्त थे ।



http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com



12. (क) 'करुण' रस **अथवा** 'वीर' रस की उदाहरणसहित परिभाषा लिखिए । 1 + 1 = 2

(ख) 'श्लेष' अलंकार **अथवा** 'उत्प्रेक्षा' अलंकार का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

(ग) 'दोहा' छन्द **अथवा** 'कुण्डलिया' छन्द का लक्षण और उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

13. लिपिक पद पर अपनी नियुक्ति के लिए किसी इण्टरमीडिएट कॉलेज के प्रधानाचार्य को एक आवेदन-पत्र लिखिए । 6

**अथवा**

अपने मुहल्ले की साफ-सफाई के लिए, अपने 'नगर-पंचायत'-अध्यक्ष को एक प्रार्थनापत्र लिखिए ।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए : 9

(i) दहेज-उन्मूलन : एक सामाजिक समस्या

(ii) कृषक-जीवन की त्रासदी

(iii) अनियन्त्रित भ्रष्टाचार : कारण और निवारण

(iv) कथासम्राट् मुंशी प्रेमचन्द

(v) आधुनिक शिक्षाप्रणाली के गुण-दोष ।

**302(ZM) – 2,80,000**

http://www.upboardonline.com
Whatsapp @ 9300930012
Send your old paper & get 10/-
अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से



http://www.upboardonline.com